सिटी भास्कर

*** दैनिक भास्कर | जयपुर | गुरुवार 6 दिसंबर, 2007

सलेक्शन का रेशो बढ़ेगा

हजारों नौकरियों की सम्भावनाओं के बावजूद अभी तक जयपुर में आईटीईएस इंडस्ट्री में सलेक्शन रेशो 10 परसेंट से भी कम है। इसकी वजह सॉफ्ट स्किल्स की कमी को माना जाता है। लेकिन अब स्टूडेंट्स से लेकर इंस्टीट्यूट इस पर ध्यान दे रहे हैं।

सिटी रिपोर्टर

पांच से दस प्रोफेशनल सलेक्ट करने के लिए लगभग सौ लोगों का इंटरव्यू करना पड़ता है। इस अनुपात को बढ़ाने के लिए अब व्यक्तिगत, एजूकेशनल इंस्टीट्यूट और प्रोफेशनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, तीनों लेवल पर सुधार की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आईटी सेक्टर की ग्रोथ के कारण सबसे ज्यादा डिमांड आईटी इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स की होगी।

सिटी सीरीज

आईटी में नए मौके 3

साइबर एक्सपर्ट और साइबर लॉ ग्रेजुएट्स को भी आने वाले दिनों में यहां की आईटी इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए अपडेट रहना होगा। क्योंकि आईटी के आने से साइबर सिक्योरिटी और साइबर क्राइम भी चुनौती बनकर उभरेंगे। नई आईटी एंड आईटीईएस पॉलिसी 2007 में राज्य सरकार ने घोषणा की है कि वह साइबर क्राइम को रोकने के लिए कानूनी ढांचा तैयार करेगी और इसके लिए साइबर नियम भी जारी कर दिए गए हैं। आईटी ग्रेजुएट्स के लिए आईटी सेक्टर में खुद को स्थापित करने का दूसरा सबसे बड़ा रास्ता होगा 'वेब बेस्ड एप्लीकेशंस' पर विशेषज्ञता हासिल करना। अब प्राइवेट सेक्टर से लेकर सरकारी ऑफिसों में वेब बेस्ड एप्लीकेशंस का यूज बढ़ेगा।

सॉफ्ट स्किल डवलप करने के बारे में डाटा इंफोसिस लि. के सीएमओ नितिन वालिया कहते हैं कि सिर्फ उन्हीं लोगों को आईटी इंडस्ट्री में अच्छे अवसर मिलेंगे जिनके शब्दकोष में 'कैन नॉट' शब्द नहीं होगा। ऐसे लोगों की संख्या बढ़ भी रही है। टूरिज्म डेस्टिनेशन के बाद राजस्थान को अब आईटी डेस्टिनेशन के रूप में देखा जाने लगा है। कई वर्षों से इंटीग्रेटेड डवलपमेंट एन्वायरमेंट मॉड्यूल पर काम कर रहे हनान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के एक्स प्रोफेसर आशुतोष पंत का मानना है कि पहले आईटी और मैनेजमेंट अलग अलग फील्ड थे। अब यह फील्ड एक दूसरे को ओवरलैप करने लगे हैं इसलिए आईटी सेक्टर में जॉब पाने का सपना रखने वाले स्टूडेंट्स को अपनी बिजनेस एनेलिटिकल प्रोसेसिंग पावर बढ़ानी चाहिए। प्रो. पंत के अनुसार अब आईटी इंडस्ट्री में जगह बनाने के लिए बिजनेस एप्लीकेशन का जानकार होना जरूरी है। यही वजह है कि आज मैनेजमेंट स्टूडेंट्स को आईटी और आईटी स्टूडेंट्स को मैनेजमेंट बड़े लेवल पर पढ़ाया जाने लगा है। नितिन वालिया का कहना है कि इन जॉब्स को पाने के लिए स्टूडेंट्स को अपनी स्टडी के दौरान भी इंटर्नशिप और समर जॉब्स करने चाहिए। क्योंकि छोटी बड़ी सभी आईटी कम्पनियों की पहली चॉइस फ्रैश ग्रेजुएट्स ही होंगे। सॉफ्ट स्किल्स को लेकर इंडस्ट्री के लगभग सभी लोग इस बात पर सहमत हैं कि सबसे ज्यादा जरूरत इंग्लिश लैंग्वेज और कम्यूनिकेशन स्किल डवलपमेंट की है।

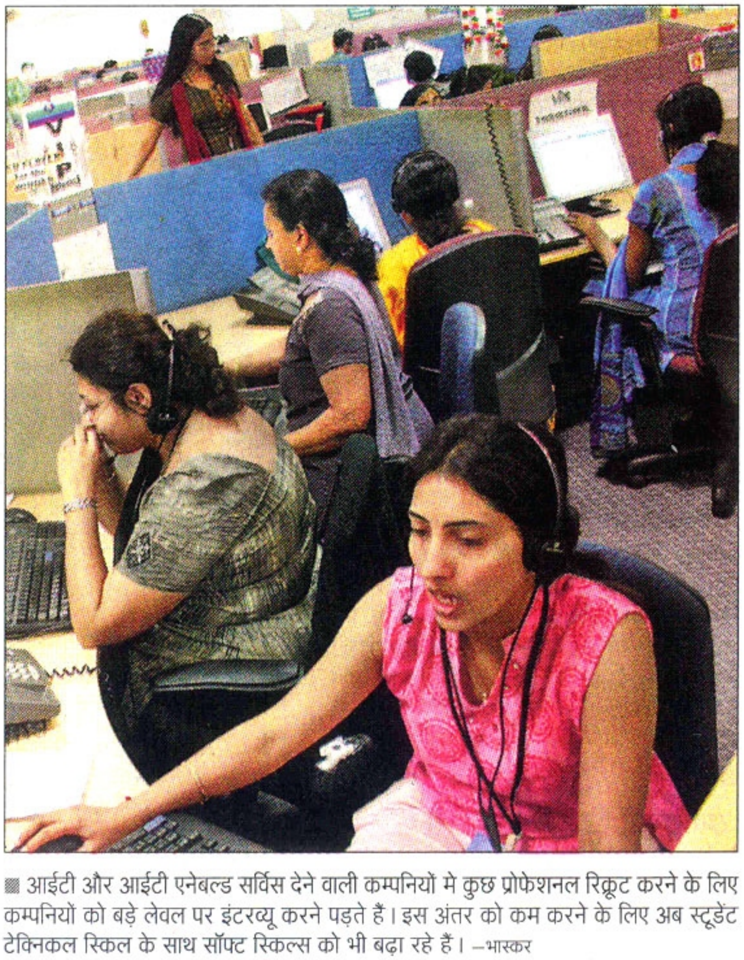

■ आईटी और आईटी एनेबल्ड सर्विस देने वाली कम्पनियों मे कुछ प्रोफेशनल रिक्रूट करने के लिए कम्पनियों को बड़े लेवल पर इंटरव्यू करने पड़ते हैं। इस अंतर को कम करने के लिए अब स्टूडेंट टेक्निकल स्किल के साथ सॉफ्ट स्किल्स को भी बढ़ा रहे हैं। -भास्कर

आईटी प्रोफेशनल्स अपनी प्रोफाइल के अनुसार सॉफ्ट स्किल डवलप करने में जुट गए हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार प्रोफेशनल्स को अपनी वर्क प्रोफाइल के अनुसार भी सॉफ्ट स्किल्स को डवलप करना होगा।

- **सॉफ्टवेयर डवलपर:** इंटरपर्सनल स्किल, लीडरशिप कैपिसिटी, स्ट्रेस मैनेजमेंट कैपेबिलिटी।
- **सिस्टम एंड बिजनेस एनेलिस्ट:** एक्सपीरियंस, साइको-एनेलिसिस स्किल।
- **कंसलटेंसी एक्सपर्ट:** बिजनेस सिनेरियो का नॉलेज, और आईटी के लीगल इश्यूज की जानकारी।
- **ग्राफिक डिजाइनर:** स्ट्रेस मैनेजमेंट स्किल, इनोवेशन कैपिबिलिटी।
- **सर्च इंजन ओप्टिमाइजेशन एक्सपर्ट:** कैलकुलेटिव स्किल, एनेलिटिकल स्किल, जनरल नॉलेज।
- **प्रोजेक्ट मैनेजर:** बिजनेस एप्लीकेशन स्किल, हाई एंड लीडरशिप क्वालिटी, टाइम मैनेजमेंट, डिजास्टर मैनेजमेंट, इंटरपर्सनल स्किल।

"टेक्निकल स्किल के आधार पर आईटी में लगभग 25 तरह के जॉब होंगे। प्रेजेंटेशन और मैनजमेंट स्किल भी साथ साथ बढ़ें तो इन जॉब्स में सलेक्शन का अनुपात बढ़ेगा।

-नितिन वालिया,
सीएमओ, डाटा इंफोसिस

"कम्यूनिकेशन स्किल और बिजनेस एटीकेट्स के साथ ही एनेलिटिकल अप्रोच बढ़ाने से आईटी कम्पनियों की डिमांड पर खरा उतरा जा सकेगा।

-प्रो. आशुतोष पंत,
मैम्बर, आईटी एंड कम्प्यूटर साइंस कोर्स कमेटी, राजस्थान यूनिवर्सिटी